

18 फरवरी 2026 को जंतु विज्ञान और भौतिक विज्ञान के छात्र छात्राएं शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत आंचलिक विज्ञान नगरी, अलीगंज लखनऊ गए।





खुशबू ल रही। प्रियांशु। मार और पविजेता प्रशस्ति। जिला, प्रमिला स्काउट तैयारी न में किया। अंदर- तर जिन्हें छात्र महेंद्र दिल्लीप

आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता है। (संवाद)

मा आचक निराक्षण कर व्यवस्थाए परखी। प्रथम पाली में कम्प्यूटर/ व्यावसायिक में 1141 पंजीकृत

शास्त्र/सिलाई में पंजीकृत 2276 परीक्षार्थियों में से 2154 ने परीक्षा दी और 121 ने परीक्षा से किनारा

इकादल आर पूरन सह पाल न सरायभूपत, जसवंतनगर और सैफई क्षेत्र के विभिन्न कॉलेजों में छापेमारी की।

## शैक्षिक भ्रमण में ली मॉडलों की जानकारी

बकेवर। जनता कॉलेज के स्नातक तथा स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर में अध्ययनरत जूलांजी एवं फिजिक्स के छात्र-छात्राओं को आंचलिक विज्ञान केंद्र अलीगंज, लखनऊ शैक्षिक भ्रमण पर ले जाया गया। इससे वह वैज्ञानिक अवधारणाओं के प्रत्यक्ष अवलोकन व प्रयोगात्मक समझ विकसित कर सकें। छात्र-छात्राओं ने विज्ञान केंद्र की विभिन्न दीर्घाओं, जीव विज्ञान एवं भौतिकी से संबंधित मॉडलों, इंटरैक्टिव प्रदर्शनों तथा वैज्ञानिक उपकरणों का अवलोकन किया। जूलांजी के छात्र-छात्राओं ने जैव-विविधता, पारिस्थितिकी, मानव शरीर रचना, आनुवांशिकी एवं विकास संबंधी प्रदर्शनों में विशेष रुचि दिखाई और प्रागैतिहासिक पार्क का भ्रमण किया। फिजिक्स के छात्र-छात्राओं ने प्रकाश, ध्वनि, ऊर्जा, यांत्रिकी एवं अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित मॉडलों का अध्ययन किया। शैक्षिक भ्रमण में कार्यक्रम प्रोफेसर ललित गुप्ता एवं डॉ. प्रकाश दुबे मौजूद रहे। (संवाद)

लखनऊ में शैक्षिक भ्रमण पर जनता कॉलेज के छात्र। अंतस्

Z STUDIOS SIDDHANT CHATURVEDI MRUNAL THAKUR BHANSAL PRODUCTIONS

**जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा**  
**शैक्षिक भ्रमण रिपोर्ट\***  
**आंचलिक विज्ञान केंद्र, अलीगंज, लखनऊ**

1. कार्यक्रम का शीर्षक - आंचलिक विज्ञान केंद्र, लखनऊ का शैक्षिक भ्रमण
2. आयोजन इकाई - जूलॉजी एवं फिजिक्स विभाग, जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा
3. आयोजन की तिथि - 18 फरवरी 2026
4. स्थान - आंचलिक विज्ञान केंद्र, अलीगंज, लखनऊ
5. कार्यक्रम के संयोजक - प्रो. ललित गुप्ता, डॉ. प्रकाश दुबे
6. प्रतिभागी - स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम सेमेस्टर के जूलॉजी एवं फिजिक्स विभाग के छात्र-छात्राएँ
7. कार्यक्रम की पृष्ठभूमि -

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों के समग्र बौद्धिक विकास के लिए केवल सैद्धांतिक अध्ययन पर्याप्त नहीं होता। वैज्ञानिक विषयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए प्रत्यक्ष अवलोकन, प्रयोगात्मक गतिविधियाँ तथा वैज्ञानिक मॉडलों के माध्यम से ज्ञानार्जन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए जनता कॉलेज, बकेवर के जूलॉजी एवं फिजिक्स विभाग द्वारा आंचलिक विज्ञान केंद्र, लखनऊ का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों से परिचित कराना तथा वैज्ञानिक सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने का अवसर प्रदान करना था। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, विश्लेषणात्मक सोच तथा अनुसंधान के प्रति रुचि विकसित करना भी इस भ्रमण का प्रमुख लक्ष्य था।

**8. कार्यक्रम के उद्देश्य -**

इस शैक्षिक भ्रमण के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित थे-

- विद्यार्थियों को वैज्ञानिक अवधारणाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कराने का अवसर प्रदान करना।
- पाठ्यक्रम में वर्णित सिद्धांतों को व्यावहारिक संदर्भ में समझने में सहायता करना।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नवीनतम विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- विद्यार्थियों में जिज्ञासा, विश्लेषणात्मक क्षमता तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना।
- अनुसंधान एवं नवाचार के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना।

**9. कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण -**

दिनांक 18 फरवरी 2026 को प्रातः 6:30 बजे महाविद्यालय परिसर से विद्यार्थियों का दल बस द्वारा लखनऊ के लिए रवाना हुआ। महाविद्यालय के अनुशासन अधिकारी प्रो. ए. के. पांडे ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए बस को रवाना किया। विज्ञान केंद्र पहुँचने के पश्चात विद्यार्थियों ने वहाँ स्थापित विभिन्न वैज्ञानिक दीर्घाओं, मॉडलों एवं इंटरैक्टिव प्रदर्शनों का अवलोकन किया। इन प्रदर्शनों के माध्यम से विज्ञान के विविध क्षेत्रों से संबंधित महत्वपूर्ण सिद्धांतों को रोचक एवं व्यावहारिक रूप में प्रस्तुत किया गया था।

### (क) जीव विज्ञान से संबंधित अवलोकन -

जूलॉजी विभाग के विद्यार्थियों ने जैव-विविधता, पारिस्थितिकी, मानव शरीर रचना, आनुवांशिकी तथा जैविक विकास से संबंधित प्रदर्शनों का अध्ययन किया। इन प्रदर्शनों के माध्यम से जीवों की संरचना, कार्यप्रणाली तथा उनके विकासक्रम को समझने का अवसर मिला।

### (ख) प्रागैतिहासिक जीवन पार्क का भ्रमण -

विज्ञान केंद्र में स्थित प्रागैतिहासिक जीवन पार्क विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। यहाँ प्रदर्शित प्रागैतिहासिक जीवों एवं डायनासोर के मॉडलों ने विद्यार्थियों को पृथ्वी के प्राचीन जीव-जगत के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अनुभूति ने विद्यार्थियों को जीवों के विकासक्रम एवं विलुप्ति के वैज्ञानिक कारणों को समझने में सहायता प्रदान की।

### (ग) भौतिकी से संबंधित अध्ययन -

फिजिक्स विभाग के विद्यार्थियों ने प्रकाश, ध्वनि, ऊर्जा, यांत्रिकी तथा अंतरिक्ष विज्ञान से संबंधित मॉडलों का अवलोकन किया। इन मॉडलों के माध्यम से भौतिकी के सिद्धांतों के व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझना संभव हुआ। अनेक प्रदर्शनों में इंटरैक्टिव प्रणाली भी उपलब्ध थी, जिससे विद्यार्थियों ने स्वयं प्रयोग करके वैज्ञानिक सिद्धांतों का अनुभव किया।

#### 10. 3D साइमैक्स थिएटर का अवलोकन -

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान केंद्र के 3D साइमैक्स थिएटर में जलवायु परिवर्तन के समुद्री जीवन पर प्रभाव विषयक एक शैक्षिक फिल्म का अवलोकन किया। इस फिल्म में समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया था। इससे विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और अधिक बढ़ी।

#### 11. विद्यार्थियों की सहभागिता एवं अनुभव -

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं जिज्ञासा के साथ सभी प्रदर्शनों का अवलोकन किया। उन्होंने वैज्ञानिक मॉडलों तथा उपकरणों के कार्य सिद्धांतों को समझने में गहरी रुचि दिखाई।

विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि इस भ्रमण से उन्हें अपने विषयों से संबंधित अवधारणाओं को प्रत्यक्ष रूप में समझने का अवसर प्राप्त हुआ। इससे उनका अध्ययन अधिक सार्थक एवं व्यावहारिक बन गया।

#### 12. प्रशासनिक सहयोग -

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा इससे उनकी वैज्ञानिक सोच और समझ का विस्तार होता है।

#### 13. निष्कर्ष -

यह शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सिद्धांतों को प्रत्यक्ष रूप से देखने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। इससे उनके विषयगत ज्ञान के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टिकोण का भी विकास हुआ।

इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों की सीमाओं से बाहर निकलकर वास्तविक वैज्ञानिक वातावरण से परिचित कराते हैं। भविष्य में भी इस प्रकार की गतिविधियों का आयोजन विद्यार्थियों के समग्र शैक्षणिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा।

(Dr. Lalit Gupta.)  
Tour Coordinator

20/11/2026